



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दौड़ी भूमि
दिनांक .1.5.2021 पृष्ठ संख्या.....9.....कॉलम.....३-४.....

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन

हकूमि में अब अधिक मात्रा में तैयार होंगे गुणवत्ता पूर्वक बीज

हाइटेंजिंग न्यूज़ | अहिसार

अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज और

अधिक मात्रा में उत्पादन किए जा सकेंगे। इससे

होने वाला विश्वविद्यालय

खर्च भी द्वारा बीज तैयार

करने के लिए

बीज व लेबर पर होने वाला खर्च

भी कम होगा।

यह बात हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर

समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय

में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर

स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण

करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आढ़ान

किया कि वे फसल उत्पादन पर

आने वाले खर्च को कम करने के

लिए फार्म पर नवीनतम् फसल

उत्पादन स्थापित करें। इससे कृषि

के कार्य आसानी से हो सकेंगे व

लेबर की अनुपलब्धता या महंगी

होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शोष

कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी।

अनुसंधान निदशक डॉ. एस. के.

सहरावत ने बताया कि नए बीज

प्रसंस्करण संयंत्र के लगाने से

किसानों के लिए गुणवत्तापूर्वक बीज

उत्पादन को गति मिलेगा। इससे

आने वाले समय में विश्वविद्यालय

द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण

में व्यापक बोगी।

30 विवेटल प्रति घंटा बीज प्रसंस्करण क्षमता

रामधन सिंह बीज फार्म के निदशक

डॉ. राम निवास ने बताया कि यह

संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम्

तकनीक पर आधारित है तथा

इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता

30 विवेटल प्रति घंटा है।

इसके लिए भारतीय कृषि

अनुसंधान परिषद द्वारा कीरद 57

लाख रुपये की आर्थिक सहायता

प्रसंस्करण संयंत्र के लगाने से

किसानों के लिए गुणवत्तापूर्वक बीज

उत्पादन को गति मिलेगा। इससे

आने वाले समय में विश्वविद्यालय

द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण

में व्यापक बोगी।

दो भी रहे गौजुद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के

कूलपति के ओष्ठेशी स्व. नववा

संयंत्र बीज प्रसंस्करण के विदेशक डॉ.

सल एवं सिंहपुरीया, कृषकसंघित डॉ.

बी. आर. कम्होज, विद्यार्थक

बलील जेल, भुज्या अविवाहित मुर्गेंद

सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों

के अधिकारी, विदेशक एवं

विभागाध्यक्ष गौजुद थे।

एकल समर्चित प्रणाली पर

आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण

में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और

इससे किजली पर आने वाला खर्च

कम होता है। इससे किसानों को

विजाई के लिए अधिक

गुणवत्तापूर्वक बीज उपलब्ध

हो सकेगा।



हिसार। रामधन सिंह सीडी फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सारी
दिनांक 10.12.2021 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....6.8.....

‘अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज’

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का कुलपति प्रो. समर सिंह ने किया उद्घाटन

हिसार, 9 दिसम्बर (ब्यूरो): अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का

बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रो. समर सिंह ने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया।

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डा. राम निवास



रामधन सिंह सीड फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीवलीनर, ग्रेडर, इनडैट सिलैण्डर, ग्रेविटी सैप्रेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

जीत सभापाठ

दिनांक .।१२.।१२.।२०२०।। पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : कुलपति

धन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन, कहा फार्म का भी नेकेनाइजेशन

हिसार, ९ दिसंबर (राज पटशर) : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में निवार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने वे लिए ऊर्जा व लेवर पर हीमे वाला खर्च भी कम होगा। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय गमधन मिह बीज चार्म पर स्वचालित न. बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करने के उपर्युक्त कर्ता। उन्होंने वैज्ञानिकों से आव्यान किया कि वे यससे कुपादन पर अपने वाले खर्च को कम करने के लिए खार्म पर नवीनतम व्यवस्था उत्कर्ष सुझापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेवर की अनुसन्धान विद्यालय द्वारा जारी ईंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की ओर में विश्वविद्यालय द्वारा नीतियों में वैज्ञानिकों को जा सकेंगे। उन्होंने



हरियाणा कृषि विधि के रामधन दिल्ली हीड़ फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते हुए कुलपति पो. रामर सिंह व अन्य। (छाया : राज पटशर) फार्म की प्रति इकाई कुलपदनशीलता को व विश्वविद्यालय परिवर्क को बधाई दी। बढ़ाने के लिए छोटे तकनीक को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भासीय कृषि अनुसंधान विद्यालय द्वारा जारी ईंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की ओर में विश्वविद्यालय द्वारा नीतियों में वैज्ञानिकों को जा सकेंगे। कुलपति

पो. कमर सिंह ने इस ओर उमंत ध्यान देते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र को लाव्यन के लिए विशेष व्यवस्था कल्पकर इसे स्थापित करता है। इसमें किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त और उपर्युक्त बीज उपादन को गति मिलेगी। इसमें अनेक बाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में लाभ होगी।

संयंत्र की 30 विकॉर्टल प्रति धंडा ह बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. योगी बीज प्रसंस्करण की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बीज बीज विजार्दी पर होता है। इससे किसानों के लिए बीज वितरण में अधिक गुणवत्तापूर्क बीज उपलब्ध होता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओरडो एवं गानव संसाधन निदेशालय के बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 विकॉर्टल प्रति धंडा है। इसके लिए भारतीय कृषि अधियंत्र भूर्णेंद्र सिंह के अन्तर्वास सभी महाविद्यालयों के अधिकारी निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी जटिल



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....उजाला
दिनांक १५.१२.२०२१ पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....३-६

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीज : समर

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का वीसी प्रो. समर सिंह ने किया उद्घाटन

अमर उजाला ब्लूरो

हिसार। अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे बुधवार को विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद उपस्थित को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आव्यान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की



बीज फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

जा सकेंगी। प्रो. समर सिंह ने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए फसल तकनीक को अपनाने पर बल दिया। डोन बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को

बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के सहायता सहित नहीं किए जा रहे थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के

30 किवंटल प्रति घंटा बीज प्रसंस्करण क्षमता

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामानवास ने बताया कि संयंत्र की बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 किवंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, गेडर, इनडेंट मिलिंडर, ग्रेविटी मैपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समर्वित प्रणाली पर आधारित है।

कुलपति के ओएडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कूलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....कृषीन क. ११७१२०।

दिनांक १०. १२. २०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....२-६

किसानों को लाभ

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का एवएसु के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किया उद्घाटन

अब अधिक मात्रा में तैयार होंगे गुणवत्ता वाले बीज

जागरण संवाददाता, हिसार : अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेवर पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

यह बातें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विज्ञानियों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें।

इससे कृषि के कार्य आसानी से



रामधन सिंह बीज फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● विज्ञप्ति।

ही सकेंगे व लेवर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी।

प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की

30 विंटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता। रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है। इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण ख्यालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीवलीनर, ग्रेडर, इनडेंट सिलेंडर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समर्पित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओ-डी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डा. एमएस सिंहपुरिया, कुलसचिव डा. बीआर कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

प्रति इंकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों

की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी विज्ञानियों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि रामधन

सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं। पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भौजीन कृषि मासिक

दिनांक 10.12.2020 पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... १-५

सुविधा • रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का एचएयू के कुलपति ने किया उद्घाटन
अब एचएयू में एक घंटे में 30 विंटल बीज हो सकेगा प्रसंस्करण ऊर्जा-लेबर खर्च होगा कम, किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज मिलेगा

भास्कर न्यूज़ | हिसार

अब चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे एचएयू द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च कम होगा। इसके लिए एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बुधवार को रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन किया। संयंत्र की बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 विंटल प्रति घंटा है।

कुलपति प्रो. समर सिंह एचएयू स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।



रामधन सिंह सीड फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने दी ये जानकारी

- यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 विंटल प्रति घंटा है।
- इस प्रोजेक्ट के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने करीब 57 लाख रुपए की सहायता प्रदान की थी।
- यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण

उन्होंने वैज्ञानिकों से आढ़ान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान

हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगावाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। इस मौके पर कुलपति के ओएसडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कूलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.12.2020	--	--

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज : प्रो. समर सिंह रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 दिसम्बर : अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेवर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर आपनाने का बटन दबाकर उद्घाटन करने के

जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. सहगवात ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगावाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। कुलपति महादेव ने इस ओर तुरंत सज्जन लेते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र को लगावाने के लिए वित्तीय व्यवस्था करवाकर इसे स्थापित करवाया है। इससे किसानों के लिए गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सुगमता होगी। रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 विवर्टल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रूपये की आधिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रोक्टीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एल्टीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस हैं और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपति के ओरडी एवं मानव संसाधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया, कुलसचिव डॉ. वी.आर. कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.12.2020	--	--

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का उद्घाटन अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊजाव लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का बटन उद्घाटन करने के उपरान्त संबोधित करे हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आहत्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम् फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्ये आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि कियाएँ पूर्ण की जा सकेंगी। प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की प्रति ईकाइ उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ऊजाव तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एम.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और उस्तु इह संयंत्र लगवाने के लिए



प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति महोदय ने इस ओर तुरंत संज्ञान लेते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयत्र को लगवाने के लिए वित्तीय व्यवस्था करवाकर इसे स्थापित करवाया है। इससे किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सुधार होगी।

संयंत्र की 30 किवटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. रामनिवास

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 किवटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कीर्ति लाख रुपये की अधिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज

प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीवलीनर, गेंडर, इनडैट मिलेण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बोज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे विजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

ये भी रहे मीजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एम. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. चौ.आर. कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मीजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... स्थान का
दिनांक १५.१२.२०२०...पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : कुलपति

- रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन, कहा, फार्म का भी मैकेनाइजेशन

हिसार (सच कहूँ न्यूज़)।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेवर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत कही। उन्होंने वैज्ञानिकों से आझ्ञान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के

लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेवर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। उन्होंने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर वल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी।

संयंत्र की 30 क्लिंटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. रामनिवास

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्लिंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण खराचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीकलीनर, ग्रेडर, इनडैट सिलेण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे विजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को विजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

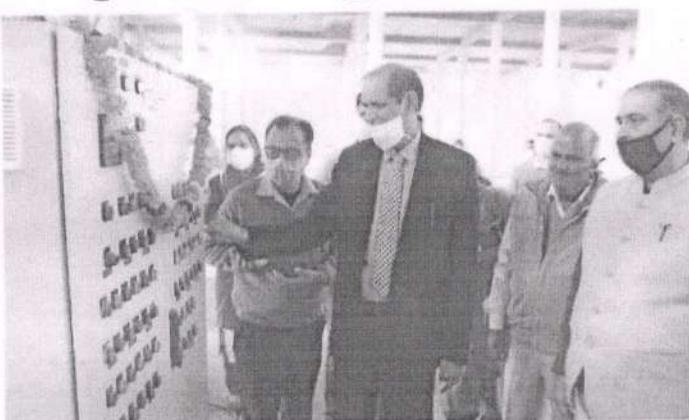


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.12.2020	--	--

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : कुलपति

सिटी पन्नम न्यूज, हिसार अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के प्रसंस्करण की ओर और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकते हैं। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए जाने वाले सेवक पर होने वाला खुब भी कम होगा। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर मिह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में विभिन्न गमधन मिह बीज कार्य प्रसंस्करण के संबंधित नए बीज प्रसंस्करण का बटन उद्घाटन करने के उपरान्त मन्त्रीचतुर कर रहे थे। उन्होंने बैजानियों से आल्याम किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खुब को कम करने के लिए फार्म पर नवीनताप फसल उत्पादण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य असानी से हो सकेंगे व लेकर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मरींगों द्वारा एक तरफ शोध कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा



हिसार। नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति समर सिंह व अन्य।

संकेती। कुलपति ने फार्म की प्रति चल दिया।

ईकाई उत्पादनशोलता को बढ़ाने के

अनुसंधान निदेशक डॉ. एम.के.

सरहावत ने बताया कि गमधन नियंत्र

बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए

20 वर्ष हो गए हैं और फिल्हे कई

लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। इससे किसानों के लिए गुणवत्तावाक बीज उत्पादन को महिलाओं द्वारा किसानों के लिए बीज बिताए में मुगमता होंगी।

गमधन नियंत्र बीज प्रसंस्करण की यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की वायम 30 विवरण प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कलेक्ट 57 लाख रुपये की अधिक महावत प्रदान की गई थी। इस अध्ययन पर यातन मंसारान निदेशक डॉ. एम. एम. मिदूरिया, कूलमार्गिय डॉ. वी. आर. काम्बोज, विस नियंत्रक नवीन जैन, मुजल अधिकारी भौंद मिह के अलावा मध्य मानविकासनों के अधिकारी, निदेशक एवं विधायाधारी भी जुटे थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	09.12.2020	--	--

का एकांक आज सङ्को पर ह। दूसरे खाटोला एकांक का बाटा स एकांक का लाइ जा कोनून लाइ ह कल्याण, कल्याण आद माजूद थ।

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे गुणवत्तापूर्वक बीज : वीसी

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए
बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। अब विभिन्नालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विभिन्नालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेवर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। उक्त विभाग जीभरी चारण सिंह हरियाणा कृषि विभिन्नालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विभिन्नालय में स्थित गार्डन रियर बीज फार्म पर नवीनीत नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बढ़न द्वारा कर उद्घाटन करने के उपरोक्त संयोगित कर रहे थे। उक्तोंने वैज्ञानिकों से आगून किया कि क्ये फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनीत फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेवर की अनुपलब्धता



या महोरी होने पर मरींगों द्वारा एक तरफ शोष कृषि कियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रोफेसर समर सिंह ने कार्म को प्रति इकाई उत्पादन नवीनीतों को बढ़ावने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर अब दिया।

उक्तोंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रिकॉर्ड में सभी राज्य कृषि विभिन्नालयों की बेंगी में विभिन्नालय द्वारा तीसरा अन्न हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विभिन्नालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहायत ने बताया कि गार्डन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए

20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगावाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति महोदय ने इस ओर तुलन संतोष लेते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयंत्रों को लगावाने के लिए वित्तीय अवधारणा करवाकर इसे स्थापित करवाया है। इससे किसानों के लिए गुणवत्तापूर्वक बीज उत्पादन को गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विभिन्नालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सुगमता होगी।

संयंत्र की 30 किंवद्दन प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. रामनिवास

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनीता तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 किंवद्दन प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कारोब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रोबल्यूम ब्रेंड, इन्हिट स्लिप्पर, डेविटी मेंटेस्टर, एसीवेटर व बीज उपकरण जैसी नवीनीत मशीनों से लिए हैं और एकल तम्बिल्स प्राणकी पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे विजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को विजाई के लिए अधिक गुणवत्तापूर्वक बीज उत्पाद्य हो सकेगा।

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर विभिन्नालय के कुलपति के ओएडी एवं मानव संसाधन निदेशक के निदेशक डॉ. एस.एस. विद्युतीरण, कुलसचिव डॉ. चौ.आर. कार्मीन, विस नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अधिकारी भूमिंद सिंह जे अलावा मधी महाविद्यालय द्वारा अधिकारी, निदेशक एवं विभागाधारी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहु.....
दिनांक 10.12.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

स्वरोजगारोन्तमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. गोदारा

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। यहाँ के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आन्वनिभर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ।

प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में आयोजित प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वरोजगारोन्तमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दीनि ५ जून २०१२

दिनांक १०. १२. २०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम २

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डा. अशोक

जास, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुइडा की देखरेख में किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह निदेशक(प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का प्रशिक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला, ऐनिक मासिक

दिनांक 10.11.2020 पृष्ठ संख्या ५, कॉलम ७-८, १-२

'स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण समय की मांग'



प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक व मौजूद प्रतिभागी। बूरो

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बुधवार को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ।

इसका आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा

की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसरा पर संस्थान के सहनिदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है।

डॉ. शशि कुमार भट्टिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्रोत हैं। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कॉफ, चटनी, जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।

एचएयू में महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शुरू

हिसार। एचएयू में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण

संस्थान में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में यह प्रशिक्षण सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.11.2020	01	01

स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. अशोक गोदारा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुइडा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण



आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीक्षण एवं अनाज के मूल्य संबोधित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जि विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अधिक स्रोत है। इसलिए इनके परीक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हें अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी. के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी, जैम, टमाटर सॉस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.12.2020	--	--

अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शुरू

मिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरमा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर

अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्रोत हैं। इसलिए इनके परीक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हे अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी.के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी, जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	09.12.2020	--	--

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. अशोक गोदारा

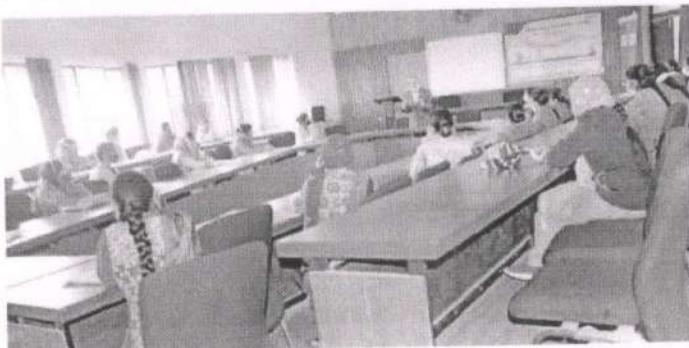
अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस.

हुड़इडा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में

पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता



है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्रोत हैं। इसलिए इनके परीक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हें अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी.के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।



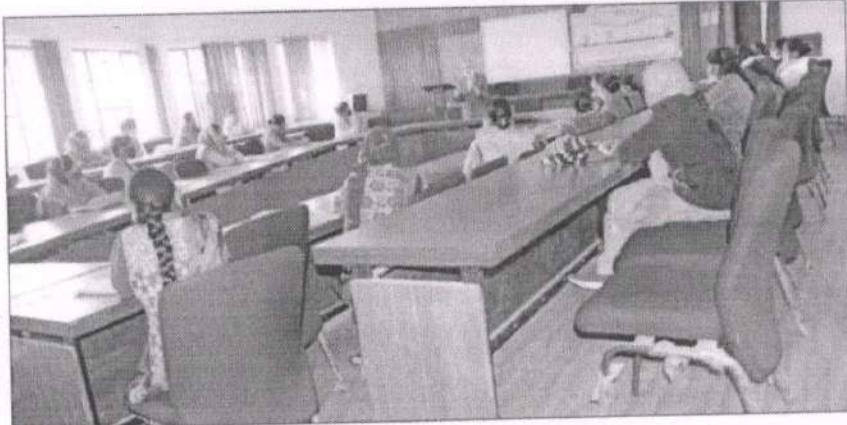
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	09.12.2020	--	--

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. अशोक गोदारा

अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आव्याप्तिर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार विकास निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा



सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अधिन्य स्रोत हैं। इसलिए इनके परीक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हें अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी.के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशासनकरण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कैवेश, चटनी, जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पांच बजे

दिनांक १. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. गोदारा

अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीरक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीरक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्रोत हैं। इसलिए इनके परीरक्षण की जानकारी होना जरूरी है। डॉ. डीके शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी, जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।